

प्रेषक,

डा० रणवीर सिंह,
प्रमुख सचिव
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

सचिव,
उत्तराखण्ड राज्य मत्स्य पालक विकास अभिकरण,
देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-02

देहरादून: दिनांक

21 फरवरी, 2015:

विषय- टिहरी जलाशय की प्रबंध व्यवस्था एवं मत्स्य आखेट नीलामी हेतु आवश्यक शर्तों के संबंध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक शासनादेश संख्या-703/XV-2/10(01)/2013, दिनांक 20 अक्टूबर, 2014 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा उत्तराखण्ड स्थित टिहरी जलाशय की प्रबंध व्यवस्था एवं अनुबन्ध की शर्तें निर्धारित की गयी हैं।

2- इस संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ कि राज्य सरकार द्वारा सम्यक विचारोपरान्त वर्णित शासनादेश दिनांक 20 अक्टूबर, 2014 के संलग्नक में वर्णित अनुबन्ध की शर्तों में अतिरिक्त निम्नलिखित शर्तों को भी सम्मिलित किया गया है :-

1. शिकारमाही निविदा प्रक्रिया में सफल निविदादाता को जिला पंचायत टिहरी से लाईसेन्स प्राप्त करना अनिवार्य होगा।
2. टिहरी जलाशय के प्रतिबन्धित क्षेत्र में ठेकेदार अथवा उसके कर्मचारी द्वारा प्रवेश अथवा मत्स्य आखेट करने पर ठेकेदार का लाईसेन्स निरस्त कर दिया जायेगा।
- 3- वर्णित शासनादेश दिनांक 20 अक्टूबर, 2014 इस सीमा तक संशोधित समझा जाय। शेष शर्तें यथावत रहेंगी।

भवदीय,

(डा० रणवीर सिंह)
प्रमुख सचिव।

संख्या- 62(1) /XV-2/2015 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
2. प्रमुख सचिव, मा० मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड शासन।
3. प्रमुख सचिव/सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
4. जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड।
5. प्रमुख अभियन्ता, सिंचाई विभाग, उत्तराखण्ड।
6. निदेशक, मत्स्य विभाग, उत्तराखण्ड।
7. प्रबंध निदेशक, टिहरी हाइड्रो डेवलपमेन्ट कारपोरेशन लि० (THDC)।
8. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
9. निजी सचिव, मा० मंत्री जी, मत्स्य को मा० मंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(जी०बी० ओली)